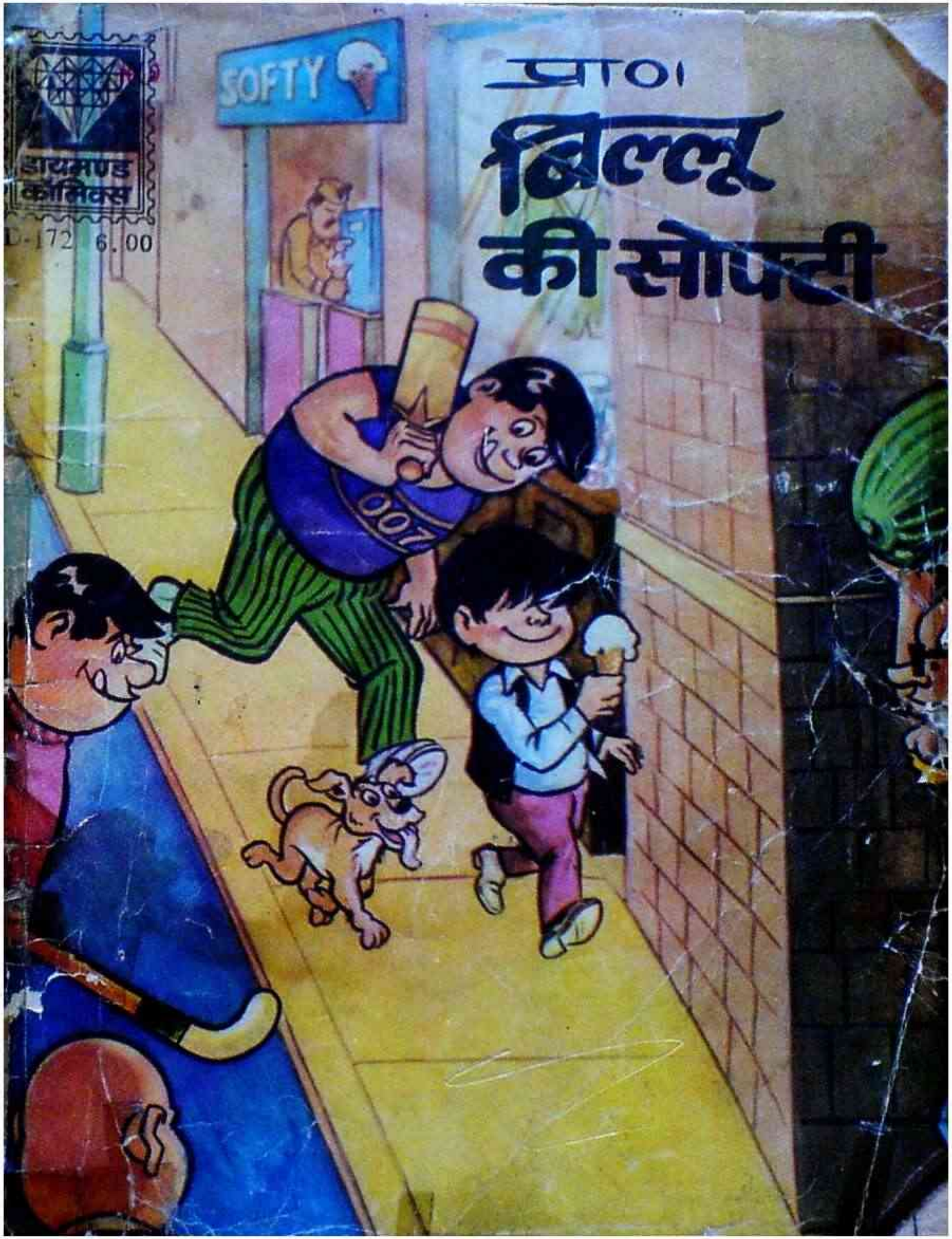

डायमण्ड कॉमिक्स
D-172 6.00
SOFTY
प्राण
बिल्लू की सोफ्टी
007

कार्टूनिस्ट प्राण

यह कॉमिक कार्टूनिस्ट प्राण
रचनाओं में से एक है. प्राण का जन्म
छोटे से कसबे में हुआ था, जो अब पाकि
विभाजन के बाद उनका परिवार ग्वालि
बस गया. एम.ए. (राजनीति) और बम्ब
आर्ट्स का अध्ययन करने के बाद उनक
कैरियर 1960 में दैनिक मिलाप, नई दि
हुआ.

उन दिनों विदेशी कॉमिक स्ट्रिप्स का
में एकाधिकार था. प्राण ने इस एका
समाप्त करने के विचार से भारतीय पात्रों
स्थानीय विषयों और समस्याओं पर
बनानी शुरू की. उन्होंने एक आम मध्यम वर्ग की भारतीय गृहिणी
'श्रीमतीजी' कॉमिक्स बनाई, जो अब 'मनोरमा' (इलाहाबाद) में प्रका
रही है. उनके दूसरे चरित्र 'चाचा चौधरी', 'रमन', 'बिल्लू', और 'पिंकी',
में लोकप्रिय हो चुके हैं.

डायमण्ड कॉमिक्स ने उनकी स्ट्रिप्स को पुस्तकबद्ध करके एक नया आ

1983 में स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्राण की राष्ट्रीय
बनाई गई कॉमिक्स 'रमन – हम एक हैं' का बिक्री के लिए विमोचन किया.
का ठिठोली पुरस्कार इनको देकर सम्मानित किया गया.

प्राण के चरित्रों की अत्यन्त लोकप्रियता का रहस्य है कि वे सीधे सरल हा
पाठकों को भीतर तक गुदगुदा देते हैं. उनके शब्दों में - ''अगर मैं टैक्स और म
बोझ से दबे भारतीयों को कुछ हंसा सकूं तो अपने मकसद को सफल सम

——प्रका

प्रकाशक : डायमंड कॉमिक्स प्रा.लि., 2715, दरियागंज नई दिल्ली-11
सम्पादक : गुलशन राय

अब तो बता दो, दो रुपए की रेजगारी जो तुम जेब में डाल कर ले जा रहे हो, उसका क्या लोगे?
सोफ़्टी! मम्मी!
टिन! टिन!
इस लड़के की जेब खनक रही हैं. काफी माल होगा!
टिन! टिन!
मैं झब्बू को फोन करता हूं.
PUBLIC PHONE
हैलो! झब्बू?... काली वास्केट पहने एक लड़का तेरे घर के आगे से गुजरेगा. उसकी जेब में काफी माल है.
झब्बू.
फिक्र न करो उस्ताद शेखू! यहां से गुजरते ही मैं उसके सिर पर भारी तरबूज दे मारूंगा. जब तक वह सम्भले, उसकी जेब साफ कर दूंगा.
वाह!
रघु! अभी एक छोकरा काली वास्केट पहने इधर से गुजरा था. उसकी जेब काफी खनक रही थी. उसे लूटने का प्लान है.
शेखू उस्ताद! उस लड़के की जेब में सिर्फ दो रुपए की रेजगारी खनक रही है. मैं अभी उसके घर की तरफ से आ रहा हूं. उसकी मां यही कह रही थी.
क्या? सिर्फ दो रुपए की रेजगारी?
झब्बू को फोन करना चाहिए की वह दस रुपए का तरबूज यूं ही बर्बाद न करे.
हैलो! झब्बू?... हैलो!!
लगता है उसका फोन खराब हो गया है.
PUBLIC PHONE
मुझे जा कर झब्बू को रोकना चाहिए कि वह तरबूज न मारे.
उधर...
अपने घर के आगे से तरबूज मारने से उस नुक्कड़ पर छिप कर तरबूज मारना ज्यादा अच्छा रहेगा. किसी को शक भी नहीं होगा.

बस, इस नुक्कड़ पर आते ही यह तरबूज मैं उसके सिर पर दे मारूंगा.
शुक्र है, मैं तेज भाग कर आया. अब तरबूज को बर्बाद होने से बचा लूंगा.
आह!
धपाक!
अरे, शेखू उस्ताद! तुम ?...

सारा गुड़ गोबर हो गया!
उधर...
SOFTY
एक सोफ़्टी!
लो, दो रुपए, सारी रेजगारी है.
बड़े दिनों से सोफ़्टी नहीं खाई थी. आज मुराद पूरी होने वाली है.
अहा! सोफ़्टी देखकर मेरे मुंह में पानी आ रहा है.
SOFTY
ये! इधर ला यह सोफ़्टी वरना हाकी का एक पैनल्टी स्ट्रोक रसीद करता हूं.
अगर सोफ़्टी मुझे न दी तो तुम्हें सीधा कवर ड्राईव कर दूंगा!
?
दोस्तो! बड़ी विकट समस्या है. सोफ़्टी है एक और तलबगार दो. पहले आपस में तुम फैसला कर लो कि सोफ़्टी कौन खाएगा?

मैं दर्जनों गोल दाग चुका हूं, गनीमत इसी में है कि तू भी यहां से गोल हो जा!
मैं सौ के सिर फोड़ कर भी नॉट आऊट हूं. इसलिए नौ-दो ग्यारह हो जा!
तेरी यह हिम्मत!
तू...!
मैंने उसे सिल्ली-मिड-आन पर फैंक दिया हैं. अब वह चूं-चपड़ नहीं करेगा. लाओ, वह सोफ़्टी!
सोफ़्टी तो मैंने खा ली.
क्या???

अब मैं सोफ़्टी खाए बिना नहीं रह सकता, चाहे खरीद कर ही क्यों न खानी पड़े.
एक सोफ़्टी देना मुझे!
अभी लो, नट्टू!
अरे बिल्लू, मैंने तुझे सारी जगह ढूंढा और तू यहां खड़ा है?
गब्दू! एक सोफ़्टी मैं खा चुका हूं, एक और खाने की तमन्ना है. इसलिए यहां खड़ा हूं.
क्या पैसे जेब में हैं?
नहीं.
तो फिर कैसे खाएगा?
देखते जाओ.
आखिर सोफ़्टी मैंने हासिल कर ही ली. अब मैं इसे मजे से खाऊंगा.
हां, नट्टू! मजे से खाओ. जिन्दगी की आखिरी सोफ़्टी.

जिन्दगी की आखिरी सोफ़्टी? मैं समझा नहीं.
नट्टू! यह तुम्हारे लिए ज़हर है.
ज़हर?
पता है न, ज़हर क्या होता है?
जिसको खाने से आदमी मर जाए.
ठीक. नट्टू, तुम मोटे हो...
...डाक्टरों का कहना है कि मोटे आदमियों को घी या क्रीम नहीं खाना चाहिए क्योंकि इनसे ब्लडप्रेशर बढ़ता है जिससे दिल का दौरा पड़ सकता है. सोफ़्टी भी क्रीम से बनती है. इसे खाते ही तुम्हें दौरा पड़ गया तो सब खत्म!
हैं??
मैं यह ज़हर नहीं खाता. बिल्लू, इसे तुम ले लो. तुम तो मोटे नहीं!
पर मेरे पास पैसे नहीं हैं.
कोई बात नहीं.
गब्दू! अक्ल बड़ी या भैंस?

नए प्रिंसिपल साहब
बिल्लू! कल मास्टरजी ने कहा था कि प्रिंसिपल सॉब रिटायर हो रहे हैं और अब नए प्रिंसिपल सॉब हमारे स्कूल में आएंगे.
गब्दू, नए प्रिंसिपल सॉब कब आएंगे?
आज ही. मास्टरजी ने कहा था कि नए प्रिंसिपल सॉब जबलपुर से आएंगे.
जबलपुर की गाड़ी तो स्टेशन पर आ चुकी होगी.
दोस्तो! यही मौका है नए प्रिंसिपल सॉब पर इम्प्रेशन जमाने का. हमें उनके स्वागत के लिए स्टेशन जाना चाहिए.
हुर्रे! नए प्रिंसिपल सॉब का स्वागत करने रेलवे स्टेशन चलो!

चलो! स्टेशन की तरफ!
ठहरो! हम नए प्रिंसिपल सॉब को पहचानेंगे कैसे? हमने तो कभी उन्हें देखा ही नहीं.
स्टेशन रोड से आने वाले हर व्यक्ति से पूछेंगे– क्या आप जबलपुर से आए हैं? यदि उत्तर 'हां' हुआ तो...
फिर उनसे पूछेंगे कि क्या आप हमारे सिटी स्कूल को जा रहे हैं? यदि उन्होंने फिर कहा हां तो यकीनन वे हमारे नए प्रिंसिपल हैं.
यह तरीका ठीक है. चलो!
देखो, बैग पकड़े वह व्यक्ति स्टेशन की तरफ से आ रहा है. मुझे वह अपने नए प्रिंसिपल लगते हैं.

क्या आप जबलपुर से आए हैं?
ठीक.
क्या आप हमारे सिटी स्कूल को जा रहे हैं?
हां!
दोस्तो! यही हैं हमारे नए प्रिंसिपल सॉब! इनके लिए कोल्ड ड्रिंक लाओ! मिठाई लाओ!
लीजिए सर, कोल्ड ड्रिंक पीजिए.
केक खाइए!
गरमा-गरम समोसे!
सर! कोई और इच्छा हो तो बताइए. हम सिटी स्कूल के विद्यार्थी उसे पूरा करेंगे.
मेरी एक ही दिली तमन्ना है कि मेरी गंजी चांद पर घने, काले बाल हों. क्या तुम मेरी यह इच्छा पूरी कर सकते हो?
आओ, अपने प्यारे प्रिंसिपल सॉब की इच्छा को पूरा करें. कहीं से बाल खोज कर लाएं.

इस आदमी के सर पर काफी घने बाल हैं. इसे पकड़ लो. मैं इसके बाल काटता हूं.
ओह! यह क्या?
काफी बाल इकट्ठे हो गए. चलो, प्रिंसिपल सॉब के सिर पर इन्हें लगा दें.
सर! गोंद से आपके सिर पर हम अभी बाल लगा देते हैं.
लीजिए, सर! अब आपकी गंजी चांद नहीं दिखेगी.
सर! अब आप फिल्म स्टार धर्मेन्द्र लग रहे हैं.
नहीं, राजेश खन्ना!
नहीं जितेन्द्र.
बच्चो! मेरे सिर पर बाल लगा कर सचमुच तुमने मेरे दिल की मुराद पूरी कर दी. बोलो अब मैं तुम्हारे किस काम आ सकता हूं?
सर! इसी खुशी में आज स्कूल की धुट्टी कर दीजिए.
ठीक है. आज की धुट्टी! जाओ खेलो! मौज उड़ाओ!
हुर्रे! आओ खेलें!

अरे रुको! मैं कहता हूं रुको!
बिल्लू! यह वही आदमी है हमने जिसके बाल काटे थे.
टक्कर!
ओह!
हैं? प्रिंसिपल का ब्रीफकेस!
हां! मैं तुम्हारा नया प्रिंसिपल हूं और यह मेरा चपरासी है, मैं जिसे जबलपुर से साथ लाया हूं. स्कूल में सूचना देने के लिए इसे मैंने आगे भेज दिया था.
चलो! सब आ कर अपनी क्लास में बैठो!

मुरगी का मुआवजा
उस्ताद! आज बड़े गुस्से में नजर आ रहे हो? खैरियत तो है?
टक्कन! आज मैं रहूंगा या वह चूहा!
कुछ दिन पहले बिल्लू की बिल्ली मेरी मुर्गी चट कर गई थी. बिल्लू ने वायदा किया था कि वह मेरी मुर्गी के दाम चुका देगा. मगर आज तक उसने दाम नहीं दिए.
उस्ताद! अगर वह दाम न दे सके तो उसके हाथ में जो चीज हो, वही छीन लो.
आज कुछ ऐसा ही सोचा है.
गोबरगणेश! बिल्लू को कहीं देखा है?
हां, वह इधर ही आ रहा है. उसके साथ एक जानवर भी है.

जानवर!
यही कोई गाय, भैंस या बकरी, उस्ताद, मुर्गी के बदले में तुम्हें इनमें से एक मिल जाएगी, कसरत करना व मुफ्त के जानवर का दूध पीना.
सचमुच दक्कन! यह सौदा तो बड़ा फायदेमंद रहेगा.
उस्ताद वह रहा चूहा!
तूने मेरी मुर्गी के दाम नहीं चुकाए. तेरे हाथ में जो कुछ है, उसे मैं छीन लूंगा!
गर्र! गर्र!!
बाप रे! कुत्ता!

भौं! भौं!
भागो!
उस्ताद! यहां तो लेने के देने पड़ गए!
पता नहीं इस मुसीबत से कब पीछा छूटेगा?
नीचे मत उतरना, नहीं तो यह हमारा मांस खा जाएगा.
भौं! भौं!!
शुक्र है, भेड़िए जैसा कुत्ता गया और जान बची. वरना मुर्गी तो गई सो गई, आज हम भी इस दुनिया से कूच कर चुके होते.
इतनी बुरी मात खा जाने के बाद अब इस दुनिया में जीने का कोई फायदा नहीं.
अरे बजरंगी पहलवान! तुम यह क्या करता?

पाशा! मैंने बहुत बड़ी मात खाई हैं. अब मैं जिन्दा रहने के काबिल नहीं.
अरे! हार-जीत तो पहलवान का जिंदगी का एक पहलू हैं. तुर्की में हमने कई पहलवानों से मात खाया और कइयों को धूल चटाया.
लेकिन पाशा, मैंने किसी पहलवान से नहीं, बल्कि नौ साल के एक छोकरे से मात खाई हैं. वह मेरी मुर्गी के पैसे मार गया.
नौ साल का छोकरे से मात?
तब तो बजरंगी, यह सचमुच चुल्लू भर पानी में डूब मरने का ही बात हुआ.
पर इससे पहले हम उस छोकरे को सबक सिखाना मांगता हैं. तुम आओ, हमारे साथ.
पाशा! वो रहा वह छोकरा, बिल्लू. लेकिन जरा सम्भल कर उसको हाथ लगाना. वह एटमबम हैं.
अगर वह एटमबम हैं तो हम हाइड्रोजन बम हैं. तुम अभी देखना, हम कैसे उस छोकरा को नाकों चने चबवाता हैं!
इधर लाओ यह बूट! जब तक तुम बजरंगी की मुर्गी के पैसे नहीं भरता, यह बूट हमारे पास रहेगा. समझे!
इन बूटों के कारण कहीं तुम मुसीबत में न पड़ जाओ. लाओ, इन्हें वापस दे दो, पहलवान!
एक फुट का छोकरा, हमको धमकी देता है? हमारा नाम पाशा हैं. तुर्की का सबसे ताकतवर पहलवान. अभी सबक सिखाता हैं तुम्हें!
वह गया तुम्हारा बूट!
हो-हो!

जल्दी से मुर्गी के पैसे निकालो, नहीं तो तुम्हारे बूटों की तरह तुम्हें भी नदी में फैंक दूंगा.
मेरे बूट ?
मेरे बूट तो मेरे पैरों में हैं, यह देखो!
तो जो बूट मैंने अभी नदी में फैंके वे किसके थे ?
थानेदार सॉब के बेटे के. मैं उन्हें पालिश करवाने ले जा रहा था.
पापा! मेरे जूते उस आदमी ने नदी में फैंक दिए!
कमबख्त! दूसरे की चीज को पानी में फैंकते हो ?
हवालात
यहां की हवा ने बड़ों-बड़ों के दिमाग दुरुस्त कर दिए हैं. तुम भी यहां की कुछ हवा खाओ.
थानेदार सॉब ! यह रहा बूट का मुआवजा, पचास रुपया. अब तो छोड़ दीजिए.
हो-हो! बड़ी जल्दी होश ठिकाने आ गया.
पाशा! घाटा तो और भी बढ़ गया. एक तो मुर्गी के पैसे वसूल नहीं हुए, पचास की चपत और लगी.
हम सब वसूल कर लेगा उस छोकरा से.
पुलिस स्टेशन
पाशा! वह जा रहा है, बिल्लू!
उसके हाथ में कुछ है।
हो! हो! चैक ? बहुत तीसमार खां बनता है ?
चूहा! इधर लाओ यह चैक! अब हमको उल्लू बनाने का कोई चांस नहीं!

हा-हा! आखिर पैसे वसूल हो ही गए. कितने का है चैक?
दो सौ रुपए का और है भी बीयरर चैक.
धोकरा पाशा का मिजाज जरा गरम जरूर है, पर वह है ईमानदार. पचास रुपया मुर्गी का पचास बूट का, सौ काट कर बाकी का सौ रुपया नकद लौटाता है. यह लो.
देखो, मेरा चैक लौटा दो वरना पछताना पड़ेगा.
अब हम यह चैक बैंक से कैश करा कर ही तुमसे बात करेगा.
BANK
यह लो चैक और जल्दी से दो सौ रुपया निकालो!
इस चैक को आग लगा कर सिगरेट सुलगाओ बिल्लू के खाते में एक पैसा भी नहीं है.

क्रिकेट के चैम्पियन
बिल्लू! क्या क्रिकेट खेलना बुरी चीज है?
बिलकुल नहीं.
तो फिर हम जिस मोहल्ले में क्रिकेट खेलने जाते हैं, वहां के लोग हमें भगा क्यों देते हैं?
इतिहास में जितने भी ऊंचे लोग हुए हैं, उनकी कद्र जरा देर में ही हुई है.
भारत के लोग हमारी कद्र तब जानेंगे जब हम इंग्लैंड से विश्व क्रिकेट कप जीत कर आएंगे.
फिर आज जो लोग हमें मार कर भगा देते हैं, वही गर्व से हमारा नाम लेंगे.

कड़ाक!
गब्दू! अगर हम उस कार वाले बाबू से गेंद मांगने गए तो वह हमें रुई की तरह धुन देगा.
बिल्लू! वह गेंद उसके पास रहने दो, मेरे पास यह दूसरी गेंद है.
फटाक!
कड़ाक!

गब्दू! दूसरी गेंद भी अब नहीं मिलने वाली.
बिल्लू! फिक्र क्यों करता है?
मेरे पास तीसरी गेंद भी है.
तड़ाक!
आऊऊऊ!
धड़ाक!
बिल्लू! वे तीनों इधर आ रहे हैं.
काफी गुस्से में नजर आते हैं.

अरे बिल्लू! मैं तेरी ही तलाश में था.
लड़ने के लिए? रिंट्टू भाई! अभी मैं झगड़ने के मूड में नहीं हूं. अच्छा, फिर मिलेंगे.
अरे, झगड़ा कौन गधा करता है? मैं तो तुम्हें कॉफी पिलाने अपने साथ ले जाने के लिए आया हूं.
बिल्लू! इसमें रिंट्टू की कोई चाल है. जिस कंजूस ने कभी किसी को मूंगफली का एक दाना नहीं खिलाया वह आज कॉफी कैसे पिलाएगा?
अरे खाली कॉफी ही नहीं, साथ में मिठाई भी. अरे, मैं तुम्हें कुछ दे ही रहा हूं, ले तो नहीं रहा?
मुझे यकीन तो नहीं आता, पर चलो! देख लेते हैं.

वाह! सचमुच लड्डू तो देसी घी के लगते हैं.
अभी कॉफी भी लाता हूं. उसे पीते ही तबियत खिल उठेगी.
वाह रिंट्टू! तेरी काफी तो और भी लाज़वाब है.
दरअसल बिल्लू, तुम्हारे साथ दोस्ती बढ़ाने का यह मेरा पहला कदम है. मैं चाहता हूं हम अपना बैर भूल जाएं.
आओ, हम अपने कोट एक-दूसरे से बदल लें. ये कोट हमारे पास एक-दूसरे की निशानी रहेंगे.
बिल्लू! मैं न कहता था कि रिंट्टू हमें उल्लू बनाना चाहता है?
कोई बात नहीं दोस्त! तुम मेरा कोट ले सकते हो.
सच?

लेकिन रिंटू! मुझे तुम्हारे कोट का रंग पसंद नहीं.
क्या मैं अपने कोट के बदले में वह टंगा हुआ कोट नहीं ले सकता?
अरे, यह तो मेरे पिता का फटा-पुराना कोट है. इसे देकर मेरी मां बर्तन वाले से कोई चम्मच या कटोरी लेना चाहती है.
लेकिन अगर तुम्हें यही पसंद है तो मैं उतार कर तुम्हें दे देता हूं.
रिंटू! यह रहा मेरा कोट.
और यह रहा मेरी तरफ से.

कहो रिंटू! तुम्हारे पिताजी का कोट पहन कर कैसा लगता हूं?
एकदम चार्ली चैपलिन.
टा! टा!
बिल्लू! तुम मूर्ख बन गए. तुम्हें पता था कि तुम्हारे कोट की जेब में पांच सौ रुपए थे. उन्हें हथियाने के लिए ही रिंटू ने यह षड्यंत्र रचा था.
लेकिन वे रुपए कहीं नहीं गए. जब रिंटू कॉफी लेने गया था तो मैंने रुपए कोट से निकाल कर पैंट की जेब में डाल लिए थे.
उधर.
पिताजी! आज मैंने बिल्लू को बेवकूफ बना कर पांच सौ रुपए हथिया लिए.
कहां हैं वे रुपए?
इस कोट की जेब में.

अरे! कहां गए वे ?...
बेवकूफ! इस कोट के बदले में बिल्लू को तुमने कुछ दिया तो नहीं?
सिर्फ यहां टंगा हुआ आपका फटा-पुराना कोट.
क्या? मेरा कोट??... उसमें मेरे एक हजार रुपए थे!
गबदू! इस पुराने कोट की जेबों में से काफी रुपए निकल रहे हैं.

भविष्यफल
देखना चाहिए मेरा भविष्य कैसा है?
राजज्योतिषी
बिना हाथ देखे भविष्य बताने वाले
राज-ज्योतिषी आप हैं?
नहीं, कमरे में अंदर बैठे हैं. मैं उनका मुंशी हूं.
मैं राजज्योतिषी से मिलना चाहता हूं. मुझे अपना भविष्य पूछना है उनसे.
राजज्योतिषी किसी से नहीं मिलते. मुझे अपना नाम बताओ और पांच रुपए फीस दो. तुम्हारे नाम से राजज्योतिषी तुम्हारा भविष्य लिखकर अंदर से भेज देंगे.
यह लीजिए फीस और नाम है बिल्लू.

बिल्लू! ठहरो, मैं तुम्हारा भविष्य अंदर से लिखवा कर लाता हूँ.
मुंशीजी! एक मिनट ठहरिए.
यह लीजिए दस रुपए, जल्दी से मेरा भविष्य राजज्योतिषी से लिखवा कर लाइए. नाम है धक्कू.
मैंने पैसे पहले दिए हैं. इसलिए पहले मेरा भविष्य आना चाहिए.
लेकिन मैंने दस रुपए दिए हैं – डबल फीस! इसलिए पहले मेरा भविष्य आना चाहिए.
पैसों से भविष्य खरीदा नहीं जा सकता.
खरीदा जा सकता है!
ओफ-हो! लड़ते क्यों हो? मैं तुम दोनो का भविष्य राजज्योतिषी से लिखवा कर एक साथ ले आता हूं.

राजज्योतिषी जी! दो का भविष्य बताना है. एक का नाम है बिल्लू, दूसरे का धक्कू.
दोनों के भविष्य लिख दिए हैं. यह लिफाफा धक्कू को देना और वह लिफाफा बिल्लू को.
तुम दोनों के भविष्य इन लिफाफों में बंद हैं. पढ़ लो.
वाह! लिखा है कि ग्रहों का योग अच्छा है. सारी मुसीबतें दूर रहेंगी. मेरा कोई बाल भी बांका नहीं कर सकेगा.
ओह! लिखा है ग्रह बुरे हैं. मुसीबतों का पहाड़ टूटने वाला है. होशियार रहना.

हुर्रे!! आज मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा!
मैंने हमेशा भलाई के काम किए हैं. किसी का कोई नुकसान नहीं किया, फिर मेरी किस्मत इतनी खराब क्यों?
भविष्यफल में कहा गया था कि आने वाली मुसीबत से मुझे होशियार रहना चाहिए. हो सकता है सड़क पर कोई ट्रक या बस मुझे कुचल दे!
इसलिए क्यों न आज का दिन पहाड़ पर बिताया जाए? यहां बस या ट्रक के आने का कोई डर नहीं.
यहां पर मैं सुरक्षित हूं.
इंजीनियर साब! पहाड़ को उड़ाने के लिए बारूद की सुरंग के पलीते में मैंने आग लगा दी है.
वैल डन!

अरे बिल्लू! जल्दी से नीचे आओ. मुझे तुमसे एक जरूरी काम है.
गब्दू! ठहर, मैं आ रहा हूं.
कड़ड़ड़ड़ाम!
ओह! इसी पहाड़ी पर मैं बैठा था.
गब्दू! अगर तू मुझे न बुलाता तो मैं अभी तक परलोक सिधार गया होता. हां, बोलो! मुझसे क्या काम है?
मुझे एक गणित का सवाल नहीं आ रहा. तुमको उसे हल करना है.
बस! इतना सा काम? पर अब पहाड़ पर बैठना भी सुरक्षित नहीं. इससे अच्छा है तेरे घर चला जाए.

गब्दू! मुझे बड़ी प्यास लगी है.
बिल्लू, हम डाक्टर गटोच के क्लीनिक में जा कर पानी पी लेते हैं.
डा॰ गटोच का क्लीनिक
लगता है डाक्टर साब किसी मरीज को देखने गए हैं.
हमें डाक्टर साब की क्या जरूरत? हमने दवाई थोड़े ही लेनी है? फ्रिज में पानी की ठंडी बोतल तो पड़ी ही होगी.
अहा! ठंडा पानी.
अरे! तुम्हें क्लीनिक से बोतल उठा कर अपने आप नहीं पीनी चाहिए.
क्या तुमने देखा कि बोतल पर क्या लिखा है?
बाप रे!
जहर

अब मैं मर जाऊंगा. आखिर राजज्योतिषी का भविष्यफल सच ही निकला.
जहर
अरे, मेरे क्लीनिक में यह कैसा शोरगुल?
डा. गटोच
डाक्टर साब! बिल्लू इस जहर की शीशी को पानी समझ कर पी गया है.
घबराने की कोई बात नहीं. दरअसल कल ही मैंने इस शीशी से जहर निकाल कर दूसरी शीशी में डाला था पर इसका लेबल उतारना भूल गया. इस शीशी में कोरा पानी ही था.
अरे बिल्लू! तू अभी तक वनपीस घूम रहा है? मैं समझ रहा था कि अभी तक तेरा हाथ या पैर टूट चुका होगा. राजज्योतिषी की भविष्यवाणी अभी तक कभी गलत नहीं निकली.
धक्कू! दो बार मरते-मरते बच चुका हूं.

धक्कू! ठहरो, एक गलती हो गई. मैंने तुम्हारा भविष्यफल बिल्लू को दे दिया और बिल्लू का तुम्हें.
सही भविष्यफल के अनुसार, बिल्लू आज खुशहाल रहेगा जबकि धक्कू, तुम्हें होशियार रहने की जरूरत है, तुम पर कभी भी मुसीबत आ सकती है.
यह कैसे हो सकता है? मुझे यकीन नहीं होता.
धड़ाम
अब तो यकीन हो गया!
© PRAN'S FEATURES

गोरिल्ला
अरे बजरंगी! यह क्या उठा लाया है?
ढक्कन! यह गोरिल्ले की खाल है.
बिल्लू हमें हमेशा धका जाता है. पर इस बार मैंने ऐसी योजना बनाई है कि उस चूहे की सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाएगी. ढक्कन! जरा इसे पहनना.
वाह! उस्ताद, तुम यह सचमुच नायाब चीज लाए.
ढक्कन! अब उस चूहे को ढूंढो. बड़ा मजेदार खेल जमेगा.

वाह! क्या सुहावना मौसम है! जरा क्रिकेट के मैदान की तरफ चलना चाहिए. देखें, वहां क्या हो रहा है?
गब्दू भी शायद वहीं मिल जाए.
गर्र..र..र..!!
ओह! गोरिल्ला?
बाप रे!
हा! हा! चूहे की सारी चालाकी हवा हो गई!

टक्कन! जा जरा और दो चार को डरा आ. तब तक मैं यहां आराम करता हूं.
अरे! आज गोरिल्ले के कटघरे का दरवाजा खुला रह गया!
चिड़ियाघर
शुक्र है! यह खतरनाक जानवर अंदर ही है. मैं अभी दरवाजा
देता हूं.
ओह! बचाओ!
पकड़ो! खतरनाक गोरिल्ला छूट गया!

वह ज्यादा दूर नहीं गया होगा.
लेकिन उसे मारना नहीं.
बेफिक्र रहो. इस बंदूक की गोली जिसे लगती है वह मरता नहीं, सिर्फ कुछ घंटों के लिए बेहोश हो जाता है.
जल्दी आओ!
पर वह किस तरफ गया होगा?
हम सब तरफ खोज करते हैं. गोरिल्ला तो दूर से ही दिख जाएगा.
बजरंगी पहलवान ने बड़ा मज़ेदार खेल दे दिया. मैं जिधर जाता हूँ, लोग डर के मारे भाग खड़े होते हैं.
तड़ाक!
बेहोश हो गया है. जल्दी से इसे ले जा कर कटघरे में बंद कर दो.

उफ! इस गोरिल्ले ने तो मुसीबत का पहाड़ खड़ा कर दिया था. कटघरे को ताला लगाना अब मत भूलना.
उधर.
ढक्कन! आ गया? बहुत नज़ारे लिए होंगे अब लोग तुझे असली गोरिल्ला समझ कर भाग खड़े होते होंगे.
गर्रर्रर!
अमां ढक्कन! यह क्या मज़ाक हमारे साथ? हमने तुझे गोरिल्ले की खाल पहनाई, हमें ही डराने चला है?
ई-ई-ई-!!!
अरे बहुत हो लिया!

धड़ाक!
चिड़ियाघर में दब्बन को जब होश आया...
अरे, मैं कहां फंस गया? यह तो चिड़ियाघर का पिंजरा मालूम पड़ता है.
तभी मिनिस्टर साहब चिड़ियाघर का मुआयना करने आ गए.
सर! सारे जानवर तंदरुस्त और खुशहाल हैं.
मैं सिर्फ उस गोरिल्ले को देखने आया हूं जो केन्या सरकार ने मुझे बतौर तोहफ़ा दिया था.
वह गोरिल्ला एकदम मजे में है. चलिए देखिए.
मुझे निकालो! मैं गोरिल्ला नहीं हूं!
बजरंगी उस्ताद ने मुझे खाल पहना दी थी!
?

अफरीकन गोरिल्ले की जगह आदमी बंद कर रखा है? निकालो इसे और उस असली गोरिल्ले को बारह घंटों में लेकर आओ, नहीं तो नौकरी गई समझो!
इस बार तो बच गए.
बारह घंटे और गोरिल्ले की खोज! पता नहीं वह कहां होगा? लगता है नौकरी से छुट्टी होने में कसर नहीं.
फिर भी कोशिश कर देखता हूं.
डिस्पैन्सरी
बिल्लू के मित्र डाक्टर टोपन.

तुम्हें भ्रम हुआ होगा. गोरिल्ले जंगलों में या चिड़ियाघरों में होते हैं. लो पिपरमेंट की गोलियां खा लो. तबीयत सम्भल जाएगी.
वाह! गोलियां तो स्वादिष्ट हैं. डाक्टर अंकल! उस शीशी में क्या है?
नींद की गोलियां. जिन मरीज़ों को नींद नहीं आती, उन्हें ये दी जाती हैं.
तभी...
बिल्लू! गो-गोरिल्ला! तू सच कहता था.
अरे! यह तो मेरी अलमारियों के शीशे तोड़ रहा है.
डाक्टर अंकल! वह गोरिल्ला भूखा है. इस प्याले में क्या है?
शहद!
शहद में नींद की सारी गोलियां मिला देता हूं.

सुना है गोरिल्ले को शहद बहुत अच्छा लगता है.
वह नींद की गोलियां मिला शहद खा रहा है.
खर्र-खर्र!!
वह सो गया.
कौन कहता है कि मेरी दवाई असर नहीं करती?
स्पैन्सरी
कहो वार्डन, इधर कैसे? कोई बीमारी है?
डाक्टर! मज़ाक न करो. मेरी बीमारी का किसी के पास इलाज नहीं.
पर मेरे पास है.
वह देखो!
गोरिल्ला!!
अरे वार्डन! शहद और नींद की गोलियां जो तुम्हारे गोरिल्ले ने खाई हैं, उनके पैसे तो देते जाओ!
मेरे उधार खाते में लिख लो.
© PRAN'S FEATURES

रोलर स्केट्स
वाह! ये रोलर्स तो बहुत तेज चलते हैं.
बिल्लू! जरा अंदर आओ.
रोलर्स चलाना बड़ा दिलचस्प खेल लगता है. मुझे भी सिखा दो.
बजरंगी! रोलर्स चलाना कोई डंड पेलना नहीं है. यह काम तुम्हारे बूते का नहीं.

क्यों? जब मैं अखाड़े के डेढ़ सौ दांव-पेच सीख सकता हूं तो ये रोलर्स चलाना क्यों नहीं सीख सकता?
बुजुर्गों ने कहा है- लगन होनी चाहिए कोई काम मुश्किल नहीं. यह लगन ही थी जिसकी बदौलत भार उठाने वाला मामूली शेरपा तेनसिंह एवरेस्ट की चोटी पर पहुंच गया.
और कोलम्बस ने अथाह समुद्र पार करके अमरीका खोजा। रोलर्स सीखना तो बहुत मामूली बात है
लो! तुम नहीं मानते, तो यह रोलर्स बांध लो और चलाओ.
हां ठीक. अब रोलर्स आगे को चलाओ.

© PRAN'S FEATURES

उद्घाटन
अरे ढक्कन! ये बिल्लू और गब्दू कच्छे पहने सुबह-सुबह कहाँ जा रहे हैं?
उस्ताद! शहर में एक नया टैंक बनाया गया है. ये दोनों पहले व्यक्ति होंगे जो उसमें डुबकी मारेंगे.
अरे, मैं तो रुस्तम-ए-हिंद बजरंगी पहलवान हूँ. उस नए टैंक में सबसे पहले मुझे नहा कर उसका उद्घाटन करना चाहिए. अगर ऐसा नहीं होता तो यह मेरी बेइज्जती है.
ढक्कन! मैं कच्छा पहन कर अभी आया.
उस्ताद! इतनी देर लगा दी. कहीं बिल्लू तुमसे पहले टैंक में डुबकी न मार दे!
क्या करूं, कमबख्त कच्छा नहीं मिल रहा!
तुम्हारा कच्छा तो पहलवान दोलू मांग कर ले गया था. उसे दंगल लड़ना था.
अरे, हां! याद आया.

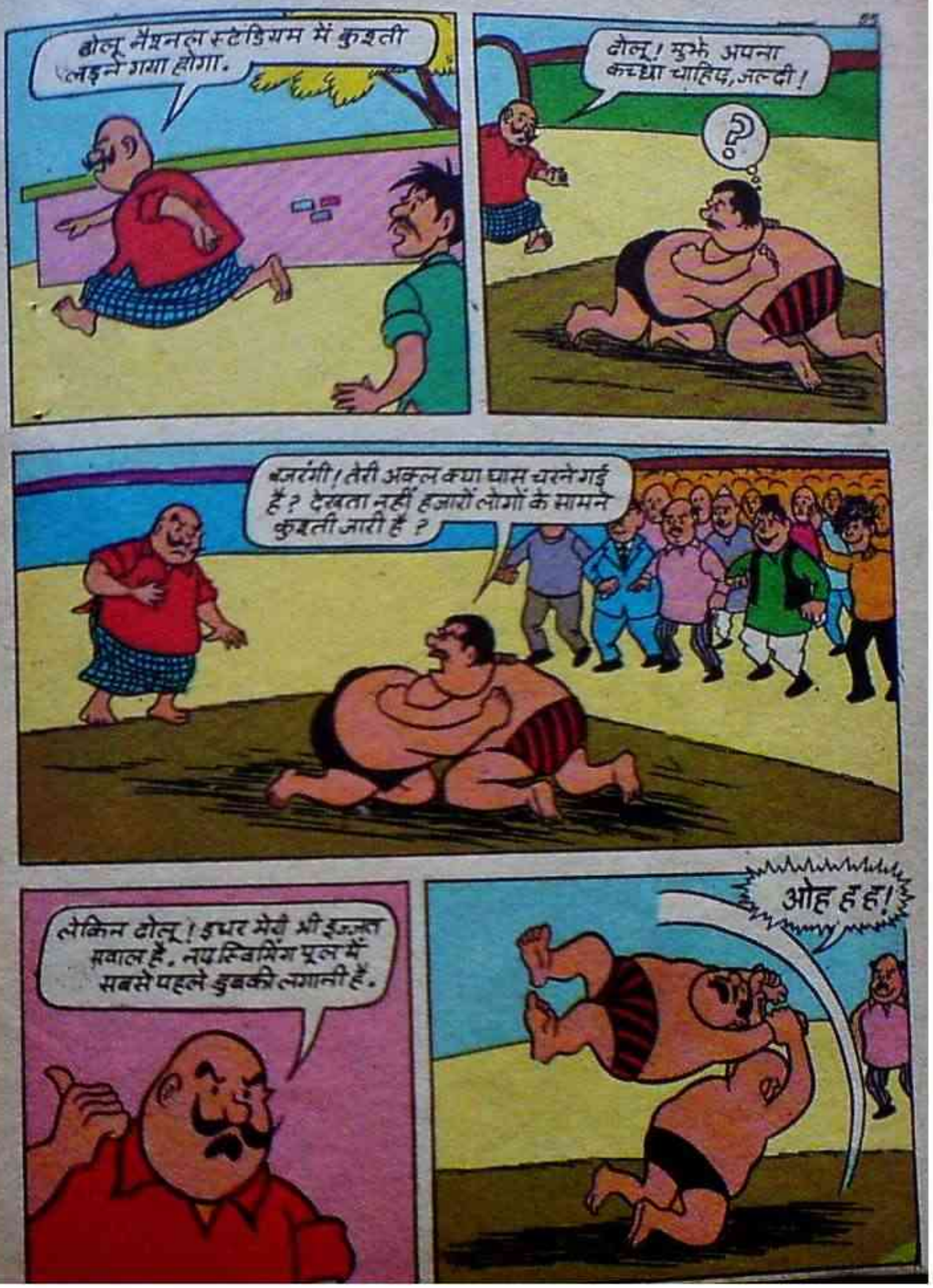
दोलू नैशनल स्टेडियम में कुश्ती लड़ने गया होगा.
दोलू! मुझे अपना कच्छा चाहिए, जल्दी!
?
बजरंगी! तेरी अक्ल क्या घास चरने गई है? देखता नहीं हजारों लोगों के सामने कुश्ती जारी है?
लेकिन दोलू! इधर मेरी भी इज्जत सवाल है. नए स्विमिंग पूल में सबसे पहले डुबकी लगानी है.
ओह ह ह!

ढोलू चित हो गया!
वाह!
बजरंगी! मेरी इस हार का कारण तू हैं. तूने मेरा ध्यान बँटा दिया और विरोधी पहलवान दांव मार गया!
ले, उठा अपना कच्छा! आज से तेरी-मेरी दोस्ती खत्म.
कच्छा तो मिल गया पर मेरा प्यारा दोस्त मुझसे छिन गया. ढोलू मेरी वजह से दंगल हार गया.
बीत गया सो भूल जाओ और टैंक की तरफ भागो...
...कहीं ऐसा न हो कि तुम्हें भी हार का मुंह देखना पड़े.

शुक्र हैं, अभी बिल्लू ने पानी में छलांग नहीं लगाई.
चलो हटो! रुस्तम-ए-हिंद पहलवान बजरंगी के सिवा इस नए टैंक में पहले डुबकी कौन लगा सकता हैं?
जय बजरंग बली!
बजरंगी! इस नए टैंक में पानी भरे जाने का हम इंतज़ार कर रहे थे.
अऊऊऊ!!

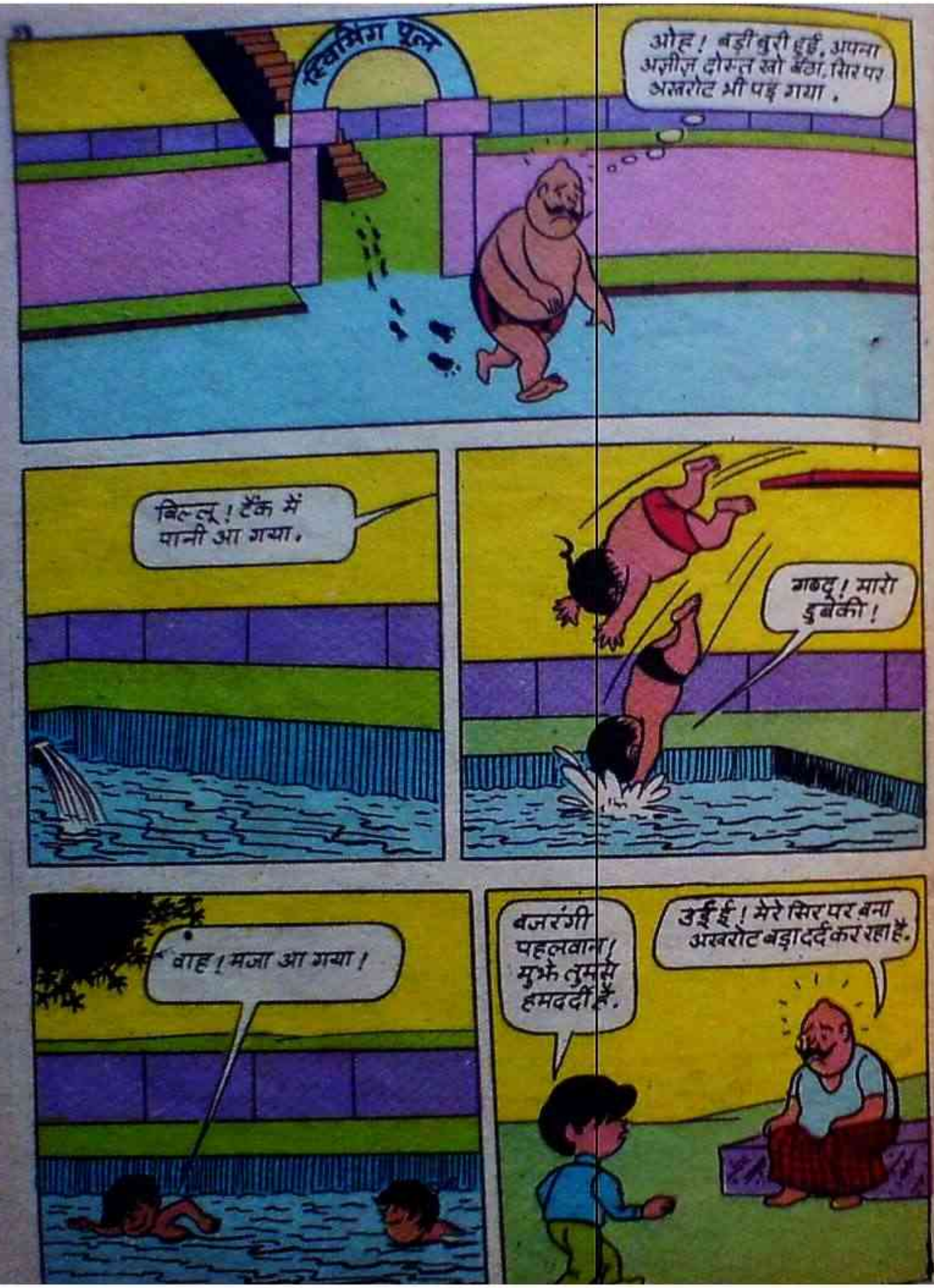
स्विमिंग पूल
ओह ! बड़ी बुरी हुई. अपना अज़ीज़ दोस्त खो बैठा. सिर पर अखरोट भी पड़ गया .
बिल्लू ! टैंक में पानी आ गया.
गबदू ! मारो डुबकी !
वाह ! मजा आ गया !
बजरंगी पहलवान ! मुझे तुमसे हमदर्दी है.
उई ई ! मेरे सिर पर बना अखरोट बड़ा दर्द कर रहा है.

बिल्लू ! अगर तुमको मुझसे सच्ची हमदर्दी है तो कोई ऐसा इलाज बता जिससे मेरे सिर पर पड़ा अखरोट खत्म हो जाए .
एक बार गिरने से मेरे सिर पर भी ऐसा अखरोट बन गया था. मेरी मम्मी ने गरम चीज से उस पर सेंक किया था. उससे आराम आ गया था.
तुम भी ऐसा ही करो बजरंगी.
सच, बिल्लू !
मैं अभी जा कर गरम चीज से सेंक करता हूं.
दक्कन ! वह जलती हुई लकड़ी मेरे सिर पर बने अखरोट पर रख दे ! इससे सेंक हो जायगा.
?

जलती हुई लकड़ी ? मैं ऐसा नहीं कर सकता उस्ताद! तुम्हारी चांद जल जाएगी.
बकवास! तू मेरा उस्ताद है या मैं तेरा? जैसा कहता हूं, वैसा कर. जल्दी उठा जलती हुई लकड़ी.
कमाल है! ऐसा इलाज तो आज तक सुनने में नहीं आया. लेकिन अगर उस्ताद कहता है तो ठीक ही होगा.
उई ई ई !!
?
मर गया!
बचाओ!

बजरंगी पहलवान! हम एक जरूरी काम से यहां आए हैं.
चुप! क्या अभी कुछ कसर रह गई है? देख, तेरी वजह से मेरी क्या हालत हुई है. भाग जा नहीं तो...
ठीक है, हम जाते हैं. शहर के कमिश्नर साब आए थे. एक उद्घाटन करवाना था. मैंने तुम्हारा नाम प्रस्तावित किया था.
उद्घाटन? बिल्लू, ठहरो! मैं तुम्हारे साथ चलता हूं. यह मेरी हार्दिक इच्छा है कि जिंदगी में कम से कम एक उद्घाटन तो कर लूं.
बजरंगी! तो फिर आओ, हमारे साथ.

आइए, बजरंगी पहलवान जी! अपने कर-कमलों द्वारा इसका उद्‌घाटन कीजिए.
मेरी वर्षों की तमन्ना आखिर आज पूरी होने जा रही है.
हैं?? यह क्या?
कूड़ा यहां डालिए
कारपोरेशन के इस कूड़ेदान का उद्‌घाटन करने के लिए कोई भी तैयार नहीं हो रहा था और लोगों ने इसमें कूड़ा फेंकना भी शुरू कर दिया था. आपने इसका उद्‌घाटन करके रुके हुए काम को सरअंजाम दिया है.
कूड़ा यहां डालिए
© PRAN'S FEATURES

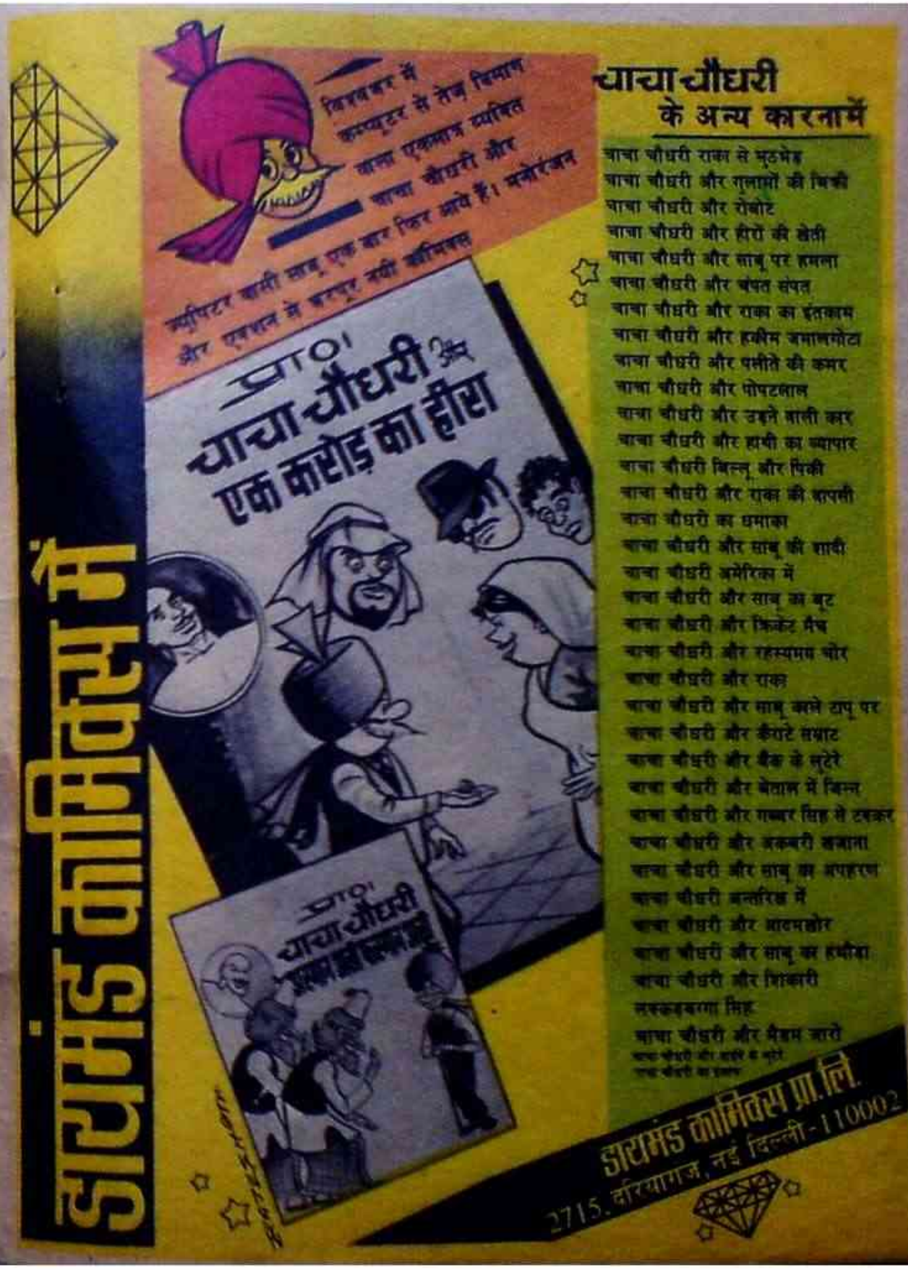

विश्व भर में कम्प्यूटर से तेज दिमाग वाला एकमात्र व्यक्ति चाचा चौधरी और ज्यूपिटर वासी साबू एक बार फिर आये हैं। मनोरंजन और एक्शन से भरपूर नयी कॉमिक्स
प्राण चाचा चौधरी और एक करोड़ का हीरा
प्राण चाचा चौधरी
डायमंड कॉमिक्स में
चाचा चौधरी
के अन्य कारनामें
चाचा चौधरी राका से मुठभेड़
चाचा चौधरी और गुलामों की बिक्री
चाचा चौधरी और रोबोट
चाचा चौधरी और हीरों की खेती
चाचा चौधरी और साबू पर हमला
चाचा चौधरी और चंपत संपत
चाचा चौधरी और राका का इंतकाम
चाचा चौधरी और हकीम जमालगोटा
चाचा चौधरी और पलीते की कमर
चाचा चौधरी और पोपटलाल
चाचा चौधरी और उड़ने वाली कार
चाचा चौधरी और हाथी का व्यापार
चाचा चौधरी बिल्लू और पिंकी
चाचा चौधरी और राका की वापसी
चाचा चौधरी का धमाका
चाचा चौधरी और साबू की शादी
चाचा चौधरी अमेरिका में
चाचा चौधरी और साबू का बूट
चाचा चौधरी और क्रिकेट मैच
चाचा चौधरी और रहस्यमय चोर
चाचा चौधरी और राका
चाचा चौधरी और साबू काले टापू पर
चाचा चौधरी और कैराटे सम्राट
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे
चाचा चौधरी और बेताल में जिन्न
चाचा चौधरी और गब्बर सिंह से टक्कर
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण
चाचा चौधरी अन्तरिक्ष में
चाचा चौधरी और आदमखोर
चाचा चौधरी और साबू का हमशक्ल
चाचा चौधरी और शिकारी
लक्कड़बग्गा सिंह
चाचा चौधरी और मैडम जारो
डायमंड कॉमिक्स प्रा. लि.
2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002